News सिटी चीफ

वर्ष–15, अंक–273
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

'सकारात्मकता की माटी में पनपने वाला पौधा ही एक दिन विशाल वट वृक्ष बनता है।'

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

बिहार, मंगलवार, 07 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

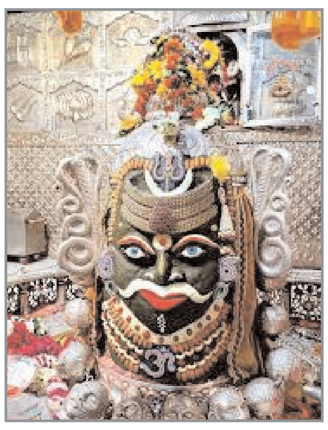

पटना समेत बिहार के कई शहरों में भूंकप के झटके

30 सेकेंड तक डोली धरती, घरों से बाहर निकले लोग

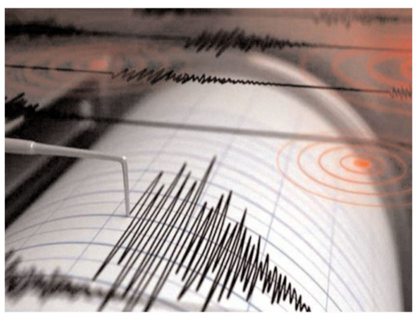

पटना, बिहार की राजधानी पटना समेत अन्य शहरों में आज सुबह–सुबह भूकंप के झटके महसूस किए हैं. दरअसल पटना समेत बिहार के कई शहरों में मंगलवार सुबह करीब 6ः35 बजे लोगों को भूकंप के झटके महसूस हुए. इस दौरान लोग काफी डर गए. भूकंप का झटका महसूस होते ही अधिकांश लोगों अपने घरों से बाहर निकल गए. पटना में भूकंप के झटके करीब 30 सेकंड तक महसूस किए गए हैं.

जानकारी के अनुसार पटना के अलावा मोतिहारी, मुजफ्फरपुर , सीतामढ़ी समेत अन्य शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. हालांकि सुबह होने के कारण कई लोग अब भी गहरी नींद में थे इसलिए उन्हें भूकंप के झटके महसूस नहीं हुए हैं. लेकिन, कई लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए और भागे–भागे घरों से बाहर निकले. अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों दौड़ कर अपने–अपने फ्लैट से नीचे आ गए.

बिहार में कितनी थी तीव्रता

जानकारी के अनुसार बिहार में 5.3 रिक्टर स्केल की तीव्रता वाला भूकंप महसूस किया गया. इस भूकंप की तीव्रता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि बांग्लादेश, नेपाल, भारत, भूटान और चीन में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए. तिब्बत और चीन के बीच शिगतसे भूकंप का केंद्र रहा. भूकंप के झटके आज सुबह करीब 6ः35 में महसूस किए गए.

नेपाल और तिब्बत में 7.1 की तीव्रता वाला भूकंप

जानकारी के अनुसार बिहार के पूर्णिया, मुंगेर, अररिया , सीतामढ़ी, गोपालगंज, वैशाली, नवादा, नालंदा समेत अन्य जिलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. नेपाल और तिब्बत में 7.1 की तीव्रता वाला भूकंप आया है. यह भूकंप काफी जोरदार था. तिब्बत में इस भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी. सुबह 6.35 मिनट पर यह भूकंप आया. नेपाल में आए भूकंप से अब तक नुकसान की खबर नहीं है. मगर जितना जोरदार यह भूकंप है, उससे बड़े नुकसान की आशंका है.

2 अपराधी ढेर, 1 दारोगा घायल

अपराधियों का पीछा कर रही थी पुलिस तभी शुरू हुआ एनकाउंटर

पटना, बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां एक बार फिर पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर हुआ है. मिली जानकारी के अनुसार पटना के गौरीचक थाने के 2019 बैच के दरोगा विवेक अपराधियों का पीछा करने के दौरान गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं एनकाउंटर के दौरान 2 अपराधियों की मौत हो गयी है. घटना सोमवार देर रात की है, जब गौरीचक पुलिस टीम फुलवारी शरीफ के हिंदूनी इलाके में अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी कर रहे थे.

जानकारी के अनुसारपटना के फुलवारीशरीफ के हिंदूनी इलाके में सोमवार रात पुलिस और अपराधियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में गौरीचक थाने के स्ढ्ढ विवेक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें गोली लगने के बाद तुरंत एम्स पटना में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है. सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की टीम 6 अपराधियों का पीछा करते हुए हिंदूनी में छापेमारी के लिए पहुंची थी.

अपराधियों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो अपराधियों की मौत हो गई. दोनों अपराधी नालंदा जिले के बताए जा रहे हैं. वहीं, दो अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है,

जिन्हें भी गोली लगी है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद 4 अन्य अपराधी मौके से फरार हो गए. पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में गोली के खोखे और कई पिस्तौल बरामद किए हैं.

घटना की जानकारी मिलते ही सिटी एसपी पश्चिम सरथ आरएस मौके पर पहुंचे और मुठभेड़ स्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल है, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं. सिटी एसपी ने आश्वासन दिया है कि फरार अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. मृत अपराधियों की पहचान और उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है. इस दौरान जमीन पर भारी मात्रा में गोली के खोखे और पिस्तौल मिले हैं.

प्रशांत किशोर को मिली बिना शर्त जमानत

पहले किया था बेल लेने से इनकार

पटना, बीपीएससी छात्रों के मुद्दे को लेकर गिरफ्तार प्रशांत किशोर को कोर्ट से बिना शर्त जमानत मिल गई है। ऐसे में जनसुराज के मुखिया पीके 8 बजे मीडिया से शेखपुरा हाउस में बात करेंगे। आज सुबह गिरफ्तार हुए प्रशांत किशोर को दोपहर को बेल मिल गई थी, लेकिन उन्होंने सशर्त जमानत लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद अब पीके 14 दिन की न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिए गए। जानकारी के मुताबिक, पीके ने कंडिशनल बेल यानी सशर्त जमानत लेने से साफ इनकार कर दिया और मीडिया से बात करते हुए कहा, बेल भी नहीं लेंगे और अनशन भी जारी रखेंगे।

जेल से करेंगे अनशन

जानकारी के मुताबिक, पीके ने बेल बॉन्ड भरने से मना कर दिया और कहा कि वे अपना अनशन जेल में भी जारी रखेंगे। आगे बताया गया कि अगर युवाओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना गुनाह है तो पीके को जेल जाना मंजूर हैं। ऐसे में पीके जेल में आमरण अनशन जारी रखेंगे।

SDJM कोर्ट ने दी थी सशर्त जमानत

जानकारी दे दें कि प्रशांत किशोर को सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया, फिर दोपहर को स्ष्ठछ्वरूकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी , लेकिन बॉन्ड भरने

को भी कहा। SDJM पटना के कोर्ट में पेशी SDJM आरती उपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश में कहा कि आप बॉन्ड भरें कि प्रतिबंधित इलाके में किसी हालत में आप धरना प्रदर्शन नहीं करेंगे। बता दें कि प्रशांत किशोर को 25 हजार के निजी मुचलके पर बेल दी गई है।

डीएम ने दी चेतावनी

गिरफ्तारी के बाद पटना डीएम चंद्रशेखर सिंह ने प्रशांत किशोर के प्रदर्शन स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि पटना हाईकोर्ट के आदेशानुसार यहां पर धरना प्रदर्शन करना मना हैं, इसकी जानकारी प्रशांत किशोर को कई बार दी गई पर उन्होंने बात नहीं मानी। फिर पीके को सुबह–सुबह गिरफ्तार किया गया है। साथ ही 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 15 गाड़ियों को पकड़ा गया है। 43 लोगों में से 30 लोग की पहचान कर ली गई है, पांच लोग पटना से हैं और विभिन्न जिलों से है चार लोग साथ ही कुछ लोग राय से बाहर के भी हैं।

छात्रों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, मगर कुछ लोगों ने कहा है कि हम छात्र हैं ऐसे में जांच की जा रही है।

इसके अलावा, तीन गाड़ियां भी गांधी मैदान से सीज की गई हैं। 12 गाड़ी जो प्रशासन का पीछा कर रही थीं उनको सूचित किया गया है। पटना जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की धरना स्थल पर ही धरना करें। दोबारा अगर किसी ने यहां पर धरना प्रदर्शन करने की कोशिश की गई तो सख्ती से निपटा जाएगा। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया है जिनको समस्या है वहीं पर अपनी बात रखें।

खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने बिहार के 123 खिलाड़ियों को दिया सक्ष खेल छात्रवृत्ति चयन प्रमाण पत्र

पटना. बिहार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने प्रदेश के 123 खिलाड़ियों को 'सक्षम खेल छात्रवृत्ति चयन प्रमाण पत्र दिया। मेहता ने सोमवार को पाटलिपुत्र खेल परिसर में बिहार राय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण तथा क्रीड़ा कार्यपालक आनंदी कुमार की उपस्थिति में प्रदेश के 123 उत्कृष्ट खिलाडियों को सक्षम छात्रवृत्ति चयन प्रमाण पत्र वितरित कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर शंकरण ने जानकारी देते हुए कहा कि सरकार की खेल छात्रवृत्ति नीति के अन्तर्गत प्रेरणा, सक्षम और उत्कर्ष तीन वर्गों में खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना लागू है। प्रेरणा के अन्तर्गत तीन लाख रुपए तक सलाना, सक्षम के अन्तर्गत पांच लाख रुपए तक तथा उत्कर्ष के अन्तर्गत 20 लाख रुपए तक सलाना छात्रवृत्ति देने का प्रावधान है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता बिहार के खिलाड़ी, विजेता टीम के सहभागी खिलाड़ियों के अलावा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की एकल प्रतियोगिताओं में प्रथम आठ स्थान पाने वाले तथा टीम प्रतियोगिताओं में प्रथम चार स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को सक्षम योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया जाता है।

शंकरण ने बताया कि छात्रवृत्ति की राशि खिलाड़ियों को नकद राशि के रूप में नहीं दी जाती है। उनके बेहतर प्रशिक्षण, खेल उपकरणों की उपलब्धि, विशेष प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए यात्रा, आवासन, भोजन तथा आवश्यक अतिरिक्त पोषण आहार के लिए सीधे इससे संबंधित प्रशिक्षकों,संस्थानों तथा प्रतिष्ठानों को भेज दी जाती है ताकि खिलाड़ियों को इस एवज में खर्च की चिंता ना करनी पड़े और सारा ध्यान अपने प्रदर्शन को बेहतर करने पर लगा रहे। उन्होंने कहा कि किसी प्रतियोगिता के दौरान खिलाडियों के चोटिल या अस्वस्थ होने पर उनके उपचार तथा अस्पताल का सारा खर्च सरकार वहन करती है। खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल छात्रवृत्ति योजना ना सिर्फ खिलाड़ियों को आर्थिक रुप से सबल और सुरक्षित बनाती है, बल्कि अपने प्रदर्शन में निरंतर सुधार कर उन्हें पदक जीतने के काबिल भी बनाती है।

जानें क्यों लोगों का पारा हुआ हाई

CM नीतीश के काफिले के सामने लगे मुर्दाबाद के नारे

पटना, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान सोमवार को वैशाली जिले के हाजीपुर पहुंचे। वैशाली को उन्होंने करोड़ों रुपये की योजनाओं की सौगात दी है। इस दौरान घोरावल प्रखंड के नगमा गांव और महनार प्रखंड के बिशनपुर में दौरे के बाद नीतीश कुमार ने जिले के पुलिस सुधारात्मक केंद्र में अधिकारियों और विधायकों के साथ बड़ी बैठक की। बैठक को लेकर अधिकारियों ने नेशनल हाईवे फोरलेन हाजीपुर–मुजफ्फरपुर को 3 घंटे तक यातायात बंद कर दिया गया। लोग काफी देर तक जाम में फंसे रहे। जाम नहीं खुलने से जनता के सब्र का बांध टूट गया और लोग सड़क पर आकर

हंगामा करने लगे। गुस्साएं लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए। मुख्यमंत्री का विरोध करने वाले और नारेबाजी करने वाले यह सभी लोग राहगीर थे, जो लंबे समय से जाम में फंसे हुए थे। इनमें से किसी को पटना जाना था तो किसी को मुजफ्फरपुर। लेकिन मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर हाजीपुर के पुलिस सुधारात्मक केंद्र, बिका के पास ही सड़क पर आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई थी।

काफिले के सामने की नारेबाजी लोग तेज–तेज आवाज में नीतीश कुमार मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। इतना ही नहीं जब नीतीश कुमार लगभग 3 घंटे बाद बैठक करके अपने काफिले के साथ निकल रहे थे तो उसे दौरान भी लोगों ने काफिले के सामने नारेबाजी की। इस दौरान मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों ने लाठी का भय दिखा कर हंगामा और नारेबाजी कर रहे लोगों को भगाया।

SC से परीक्षा को रद्द करने की मांग

BPSC परीक्षा मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

पटना, बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग वाली याचिका आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता ने परीक्षा में व्यापक धांधली का आरोप लगाते हुए इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से या सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराने की मांग की गई है।

इसके अलावा, याचिका में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार पटना के डीएम और एसपी के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया था और जिसपर कोर्ट ने 7 जनवरी, मंगलवार को इस मामले को उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया था।

दरअसल, बिहार में 70वीं बीपीएससी परीक्षा को लेकर घमासान मचा हुआ है। बीते साल 13 दिसंबर को बिहार के नौ सौ से अधिक परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी की परीक्षा आयोजित की गई थी लेकिन पटना के बापू परीक्षा केंद्र पर पेपर बांटने में देरी के आरोप को लेकर अभ्यर्थियों ने भारी हंगामा कर दिया था। इस दौरान परीक्षा केंद्र पर तैनात निरीक्षक राम इकबाल सिंह को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई थी।

इसके बाद अभ्यर्थियों ने भारी बवाल किया। पेपर लीक होने के भी कथित आरोप लगाए गए। जिसके बाद बीपीएससी ने बापू परीक्षा केंद्र के एग्जाम को रद्द कर दियाथा। इसके बाद से ही बीपीएससी अभ्यर्थी सड़क पर उतर कर हंगामा कर रहे हैं और पूरी परीक्षा को रद्द कर फिर से एग्जाम आयोजित करने की मांग कर रहे हैं। उधर, आयोग ने बापू परीक्षा केंद्र की रद्द हुए एग्जाम को 4 जनवरी को आयोजित किया था और जल्द ही रिजल्ट जारी करने की भी बात कही थी।